

नेक पर्यटन समाचार



दिनांकः रविवार २२ अगस्त २०२१

संपादकः प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, निदेशक, भापयाप्रसं

पृष्ठ

"लक्ष्य निर्धारण अदृश्य को दृश्य बनाने की दिशा में पहला कदम होता है...!"

रविवार विशेषांक

सभी पाठकों को सादर नमस्कार!

प्रिय पाठकों, आज के रविवार विशेष अंक में प्रस्तुत है **बीते सप्ताह भारतीय पर्यटन जगत की महत्वपूर्ण खबरों पर एक नज़र!**

"पर्यटन मंत्रालय ने मेक माई ट्रिप और इबिबो के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए"



भारत के पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में मेक माई ट्रिप प्राइवेट लिमिटेड और इबीबो लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह प्रयास आतिथ्य और पर्यटन उद्योग को मजबूत करने के लिए चल रही पहल का एक हिस्सा है, मुख्य रूप से कोविड की स्थिति के दौरान। पिछले वर्षों में मंत्रालय ने ईजी माई ट्रिप, क्लियर ट्रिप और यात्रा डॉट कॉम के साथ अन्य समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य उद्देश्य:

मेक माई ट्रिप और इबिबो के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के पीछे, मुख्य उद्देश्य ओटीए प्लेटफॉर्म पर आवास से संबंधित सभी इकाइयों को व्यापक दृश्यता प्रदान करना है, जिन्होंने स्वयं को साथी (आतिथ्य उद्योग के लिए आकलन, जागरूकता और प्रशिक्षण के लिए प्रणाली) पर स्व-प्रमाणित किया है।

समझौता ज्ञापन परिभाषित करता है कि दोनों पक्ष मुख्य रूप से इकाइयों को निधि और इस तरह साथी पर पंजीकरण करने के लिए विश्वास दिलाते हैं। इसके अतिरिक्त, इस समझौते का मूल उद्देश्य स्थानीय पर्यटन क्षेत्र को कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए सही सुरक्षा उपायों के साथ विश्वास दिलाना है।

इसके अलावा, मुख्य विचार आवास इकाइयों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना है तािक लिक्षित नीितगत उपायों के आधार पर कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और डिजाइनिंग साक्ष्य प्राप्त किया जा सके और सभी के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और टिकाऊ पर्यटन को प्रोत्साहित किया जा सके। इस समझौता ज्ञापन समझौते में पर्यटन उद्योग, मेक माई ट्रिप और इबिबो शािमल थे और भारत के पर्यटन और गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) मंत्रालय के बीच व्यवस्था के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।



"उत्तराखंड ने 59 साल बाद पर्यटकों के लिए भारत-चीन सीमा के पास प्राचीन पुल को फिर से खोला"

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की नेलोंग घाटी में प्राचीन गरतांग गली लकड़ी के पुल को 59 साल बाद पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। 11,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित गरतांग गली लकड़ी के पुल की 150 मीटर लंबी सीढ़ियों को जुलाई 2021 में 64 लाख रूपए में फिर से बनाया





गया और बुधवार को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया।

उत्तरकाशी की गरतांग गली 150 साल पहले पेशावर के पठानों द्वारा बनाई गई थी, 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई थी। कई वर्षों तक गरतांग गली तिब्बत और भारत के बीच एक व्यापार मार्ग था, आजादी से पहले तिब्बत के साथ व्यापार के लिए बने इस पुल का इस्तेमाल ऊन, चमड़े के वस्त्र और

नमक को बदहाट ले जाने के लिए किया जाता था। 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद, पर्यटकों के लिए, इस क्षेत्र को ऑफ-लिमिट घोषित कर दिया गया था, जिससे पुल ने अपने पर्यटन स्थल का दर्जा भी खो दिया था।

रिपोर्ट के अनुसार यहां लकड़ी के पुल का निर्माण पारंपरिक शैली में किया गया था। एक ही चट्टान को काटकर बनाया गया था। इस पुल पर जब खड़े होते हैं, तो क्षेत्र के आसपास के वनस्पितयों और जीवों के साथ-साथ शानदार नेलोंग घाटी के लुभावने दृश्य देख सकते हैं। साथ ही रिपोर्ट्स बताती हैं कि जिला प्रशासन कोरोना दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए एक बार में केवल 10 पर्यटकों को ही पुल पर जाने की अनुमित देगा।



इस अवसर पर उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि "गरतांग गली ट्रेक के खुलने से राज्य में साहसिक पर्यटन गतिविधियों में एक नया आयाम जुड़ गया है। पुल का ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व है और यह प्राचीन काल से अपने पड़ोसियों के साथ देश के सौहार्दपूर्ण व्यापार संबंधों को प्रदर्शित करता है।"

"प्रधानमंत्री ने सोमनाथ में किया कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास"



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार 20 अगस्त को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जिए पर्यटन मंत्रालय की प्रसाद योजना के तहत श्री सोमनाथजी मंदिर में बनाए गए सैरगाह को राष्ट्र को समर्पित किया। मोदी ने पर्यटन मंत्रालय की प्रसाद योजना के तहत पूर्ण परियोजना "तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास" के तहत निर्मित पर्यटन सुविधा केंद्र में गुजरात सरकार द्वारा बनाई गई 'प्रदर्शनी गैलरी' का भी उद्घाटन किया।

🛮 प्रधान मंत्री ने हाल ही में श्री सोमनाथ ट्रस्ट द्वारा 3.5 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय

के साथ जूना सोमनाथ के हाल ही में पुनर्निर्मित मंदिर परिसर का भी उद्घाटन किया। बनाए गए प्रमुख हस्तक्षेपों में यूनिवर्सल एक्सेसिबिलिटी के लिए रैंप, बैठने की व्यवस्था और आंगन, 15 दुकानें, 2 हॉल और लिफ्ट शाफ्ट शामिल हैं। इस अवसर पर, मोदी ने 30 करोड़ रुपये के कुल प्रस्तावित परिव्यय के साथ श्री पार्वतीमाता मंदिर की आधारशिला भी रखी।

कार्यक्रम का संचालन पर्यटन मंत्रालय के सचिव अरविंद सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान, सोमनाथ में शुरू की गई विभिन्न विकासात्मक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रदर्शित करते हुए एक फिल्म प्रस्तुत की गई।



पर्यटन, यात्रा और आतिथ्य को प्रधान मंत्री द्वारा पहचाने गए 5 टी के प्रमुख क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है। वस्तुतः (वर्चुअल) सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने देश में पर्यटन के महत्व पर जोर दिया। कैसे हमारे पूर्वजों ने सदियों पहले पर्यटन के महत्व और भूमिका को समझा और कई जगहों का विकास किया जो हमारी आस्था से जुड़े थे। उन्होंने पर्यटन मंत्रालय की 'प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों का विकास' योजना का भी उल्लेख किया। देश भर में 19 गंतव्यों की पहचान की

दिनांक: रविवार 22 अगस्त 2021

दैनिक पर्यटन समाचार



गई है और इन स्थलों के विकास से पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। प्रधान मंत्री ने सबका साथ, सबका प्रयास और सबका विकास के बारे में बात की। पर्यटन देश के आम आदमी को जोड़ रहा है। प्रधान मंत्री ने एक प्रभावी विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए निकटवर्ती पर्यटन, तीर्थयात्रा और आधुनिकता के विचार पर बल दिया। उन्होंने आगे आने वाली पीढ़ियों को प्राचीन संस्कृति की बेहतर समझ रखने में मदद करने के लिए इस तरह के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।



उन्होंने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा 2019 के पर्यटन और पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक (टीटीसीआई) में भारत की रैंकिंग में महत्वपूर्ण सुधार पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें भारत पर्यटन की प्रगति के कारण 34वें स्थान पर था। प्रधानमंत्री ने पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत रामायण सर्किट के विकास के बारे में भी बताया जो भगवान राम के जीवन से संबंधित है। इसी तरह, उन्होंने बुद्ध सर्किट का उल्लेख किया जो दुनिया भर से आने वाले भक्तों को सुविधाएं प्रदान करता है। देश में आध्यात्मिक पर्यटन के महत्व पर बात की गई।

प्रधानमंत्री ने प्रसाद की लगभग 40 परियोजनाओं का उल्लेख किया जिनमें से 15 पूरी तरह से पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने पर्यटकों को गंतव्य की बेहतर समझ और रोजगार पैदा करने के लिए पर्यटन बुनियादी ढांचे के हिस्से के रूप में पर्यटन गाइडों को शामिल करने पर जोर दिया। विभिन्न श्रेणियों में ई-वीजा देने और वीजा शुल्क में कमी ने देश में पर्यटन विकास को बढ़ाया है।

संस्थान समाचार

आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) में



वर्ष भर होने वाले आयोजन को लेकर रंग कुटुंब नाट्य संस्था और आईआईटीटीएम के नाटक क्लब की ओर से दो दिवसीय महोत्सव की शुरुआत शुक्रवार 20 अगस्त से हुई। पहले दिन "गोस्वामी तुलसीदास" नाटक का मंचन हुआ। इसमें तुलसीदास द्वारा रामचरितमानस लिखने से पहले के संघर्ष को दिखाया गया। नाटक का निर्देशन सीमा सोनी ने किया।



मुद्रा अद्यतन (##)

मुद्रा मूल्य ₹ 1 USD (US\$) 74.31 1 EURO (€) 86.93 1 GBP (£) 101.24 1 JPY (¥) 0.676 1 AUD (A\$) 53.00 (##) सभी आंकड़े लाइव मिड-मार्केट रेट हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं और केवल सूचना के उद्देश्य से हैं।

वहीं महोत्सव के दूसरे व अंतिम दिन 21 अगस्त को शाम 6 बजे से लोकगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों द्वारा "हरदौल का भात" की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी गई| इसमें



कलाकारों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ बुंदेली भाषा में हरदौल का भात सहित पारंपरिक लोकगीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विमल वर्मा, सरिता सोनी, सीमा सोनी, खुशबू सोनी, देव चव्हाण, रामबरन पर्सेडिया, दुर्गेश पाठक, निखिल तलरेजा, राहुल शाक्य ने लोकगीत प्रस्तुत किए।

आप 'दैनिक पर्यटन समाचार' में पर्यटन विषय पर अपने लेख/विचार एवं बहुमूल्य सुझाव देने के लिये हमें संपर्क कर सकते इमेल द्वाराः social@iittm.ac.in व्हाट्सएप द्वाराः +91 70427 30070

#आज़ादीकाअमृतमहोत्सव #जयहिंद आपका दिन श्रुभ हो...।



@IITTMOFFICIAL



o in Qiittmofficial



अस्वीकरणः भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रवंध संस्थान, ग्वालियर मुख्यालय द्वारा प्रस्तुत 'दैनिक पर्यटन समाचार' का मूल उद्देश्य पर्यटन अकादिमक जगत को दैनिक आधार पर हो रही घटनाओं व गतिविधियों से रूबरू कराना है, चूँकि पर्यटन जगत बहुत 'गतिक' (डायनेमिक) है। इस समाचार पत्र का स्त्रोत आधार विभिन्न सूचना माध्यमों से प्राप्त सम्प्रेषण है। अतः इनकी पुष्टि, संस्थान व संपादन मंडल नहीं करता है। हालांकि अकादिमक हित में इसकी प्रस्तुति केवल ज्ञान उन्नयन हेतु की जाती है।